Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III OR	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

Master's in Core Subject- HINDI

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : लोक साहित्य	4	4	0	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSC
CourseCode: DSC9	Course Title: लोक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मूल लोक परम्परा होती है, जिससे उस राष्ट्र और समाज के समग्र सामाजिक चरित्र का निर्माण होता है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्वपूर्ण माना गया है तथा विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्व का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोक संस्कृति और लोक साहित्य के विविध सैद्धान्तिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया(संकलन तथा पाठ निर्धारण) का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।	10
Unit II	लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य का स्वरूप	10

Unit III	अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।	10
Unit IV	लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।	10
Unit V	लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य : श्यामपरमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. 21 श्रेष्ठ लोककथाऍं उत्तराखंड, सम्पादक – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली
6. कुमाउनी लोक साहित्य एवं लोकसंस्कृति में दलित, डॉ० प्रीति आर्या, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[11]	Course Title: **हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कदगुप्त तथा लहरों के राजहंस के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में

उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	**एकांकी सुमन:** सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)

5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper- DSE
CourseCode: DSE[12]	Course Title: **निबंध एवं स्मारक साहित्य**		
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।			

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	निबंध निलय -डॉ० सत्येन्द्र : (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- नवीन यथार्थवाद (नंददुलारे वाजपेयी), भारतीय संस्कृति (गुलाब राय), कुटज (हजारीप्रसाद द्विवेदी), तुलसी-साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य (रामविलास शर्मा), संवत्सर (अज्ञेय), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्यानिवास मिश्र), उत्तराफाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला ढैला बोरा एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : भाषा विज्ञान	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- DSE
Course Code: DSE13	Course Title: **भाषा विज्ञान**		

Course Outcomes:

CO1. Linguistics अर्थात् भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय भी है। अत: इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था,भाषा व्यवहार और उसके महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन-शाखाओं यथा स्वन, स्वनिम, रूप, रूपिम, वाक्य, अर्थ आदि का सैद्धान्तिक व तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्राशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।	15
Unit II	स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।	15
Unit III	रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त- आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण,गहन संरचना और बाह्य संरचना।	12
Unit IV	अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

सहायक ग्रंथ –

1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अद्यतन भाषा विज्ञान : पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय भाषा विज्ञान : किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान – सैद्धान्तिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject	
GROUP- 2	

Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE

CourseCode: DSE[11]	Course Title: **हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य**

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा लहरों के राजहंस के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	**एकांकी सुमन:** सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper- DSE
CourseCode: DSE[12]	Course Title: **निबंध एवं स्मारक साहित्य**	
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits: 4		

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडन: (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारी सिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलास शर्मा), साहित्य का स्तर)डॉ.नगेन्द्र, आम्रमंजरी(विद्यानिवास मिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), राघव: करुणोरस: (कुबेरनाथ राय),निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला ढैला बोरा एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : कुमाउनी साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE[11]	Course Title: कुमाउनी साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाउनी लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कुमाउनी लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है। CO 7. शिक्षार्थी कुमाउनी के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षिण प्राप्त करता है।		
Credits:4		
Unit	Topic	No. of Hours
खंड (क)कुमाउनी लोक साहित्य Unit I	कुमाउनी लोक साहित्य - सं0 देवसिंह पोखरिया (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत) - मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।	10
Unit II	कुमाउनी लोक गाथाएँ – डॉ.प्रयाग जोशी (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ), किशोर एण्ड संस, देहरादून ।	10
Unit III	कुमाउनी लोककथा – डॉ. प्रभा पंत (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	10
खंड (ख) कुमाउनी साहित्य Unit IV	**पछ्याण**– सम्पादक : डॉ. दिवा भट्ट,श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कविताएँ – जागर, मैतीमुलुक, बसंतकपौण, बाँजि कुड़िक पहरू, उलार, पछ्याण और ह्यून) 2. **मन्याडर**-बहादुर बोरा 'श्रीबंधु', कुमाउनी भाषा-साहित्य प्रचार-प्रसार समिति, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कहानियाँ – सराद, नौर्त और मन्याडर)	10

Unit V	**मन्खि :डॉ. शेरसिंह बिष्ट,**अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)। (व्याख्या के लिए निबंध – कुमाउनी साहित्य, मन्खि और हमर पहाड़)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. उत्तराखंड -लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
2. कौ सुआ काथ्कौ (कुमाउनीकि अस्सी सालो कि कथा जात्रा) : सम्पादक मथुरादत्त मठपाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून
3. कुमाउनी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ. देव सिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,
4. कुमाऊं का लोक साहित्य : डॉ. कृष्णानंद जोशी, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
5. कुमाउनी भाषा और साहित्य : डॉ. त्रिलोचन पांडे, उ.प्र. हिन्दीसंस्थान, लखनऊ
6. कुमाउनी – शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी दिल्ली
7. 21 श्रेष्ठ लोककथाएँ उत्तराखंड, सम्पादक – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली
8. कुमाउनी लोक साहित्य एवं लोकसंस्कृति में दलित, डॉ० प्रीति आर्या, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[11]	Course Title: **हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी

आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा लहरों के राजहंस के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	**एकांकी सुमन:** सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)

5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : कुमाउनी साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE[11]	Course Title: **कुमाउनी साहित्य**	

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाउनी लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से कुमाउनी लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कुमाउनी लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है।
CO 7. शिक्षार्थी कुमाउनी के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षिण प्राप्त करता है।

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours
खंड (क)कुमाउनी लोक साहित्य Unit I	कुमाउनी लोक साहित्य - सं0 देवसिंह पोखरिया (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत) - मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।	10
Unit II	कुमाउनी लोक गाथाएँ – डॉ.प्रयाग जोशी (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ), किशोर एण्ड संस, देहरादून ।	10
Unit III	कुमाउनी लोककथा – डॉ. प्रभा पंत (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	10

खंड (ख) कुमाउनी साहित्य Unit IV	**पछ्याण**– सम्पादक : डॉ. दिवा भट्ट,श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कविताएँ – जागर, मैतीमुलुक, बसंतकपौण, बाँजि कुड़िक पहरू, उलार, पछ्याण और ह्यून) 2. **मन्याडर**-बहादुर बोरा 'श्रीबंधु', कुमाउनी भाषा-साहित्य प्रचार-प्रसार समिति, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कहानियाँ – सराद, नौर्त और मन्याडर)	10
Unit V	**मन्खि :डॉ. शेरसिंह बिष्ट,**अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)। (व्याख्या के लिए निबंध – कुमाउनी साहित्य, मन्खि और हमर पहाड़)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. उत्तराखंड -लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
2. कौ सुआ काथ्कौ (कुमाउनीकि अस्सी सालो कि कथा जात्रा) : सम्पादक मथुरादत्त मठपाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून
3. कुमाउनी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ. देव सिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,
4. कुमाऊं का लोक साहित्य : डॉ. कृष्णानंद जोशी, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
5. कुमाउनी भाषा और साहित्य : डॉ. त्रिलोचन पांडे, उ.प्र. हिन्दीसंस्थान, लखनऊ
6. कुमाउनी – शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी दिल्ली
7. 21 श्रेष्ठ लोककथाएँ उत्तराखंड, सम्पादक – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली
8. कुमाउनी लोक साहित्य एवं लोकसंस्कृति में दलित, डॉ० प्रीति आर्या, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : कुमाउनी भाषा	4	4	0	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE[12]	Course Title: कुमाउनी भाषा	

Course Outcomes:

CO 1. साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

CO 2 . शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी कुमाउनी के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।

Credits:4

Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	कुमाऊँ शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, कुमाऊँ शब्द की मानक वर्तनी।	12
Unit II	कुमाउनी भाषा का विकास : उद्भव और क्रमिक विकास, कुमाउनी भाषी क्षेत्र, कुमाउनी की विविध बोलियाँ, पूर्वी कुमाउनी और पश्चिमी कुमाउनी में अंतर।	12
Unit III	कुमाउनी का व्याकरण : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि	12
Unit IV	कुमाउनी शब्द : संरचना – कुमाउनी शब्दसम्पदा (शब्द समूह), इतिहास तथा रचना के आधार पर वर्गीकरण, कुमाउनी के कोश विषयक कार्य ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. झिक्कल कामची उडायली (उत्तराखंड की भाषाओं का व्यावहारिक शब्दकोश) : सम्पादक – उमा भट्ट एवं चन्द्रकला रावत, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल
2. कुमाउनी भाषा का अध्ययन : डॉ. भवानीदत्त उप्रेती, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. मध्य हिमालयी भाषा : गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. कुमाउनी भाषा और साहित्य : त्रिलोचन पांडे, उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ
5. कुमाउनी भाषा और संस्कृति : डॉ. केशवदत्त रूबाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
6. कुमाउनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. देव सिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
7. कुमाउनी – शेर सिंह बिष्ट, भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

8. कुमाउनी, गुजराती और मराठी समस्रोतीय समानार्थी शब्दकोश : चन्द्रकला रावत, वितरक – कंसल प्रकाशन, नैनीताल
9. कुमाउनी भाषा, सम्पादक – डॉ. शशि पांडे, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	6	0	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION		
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6		
Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III OR	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	